



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 17, 1976 (पौष 27, 1897)
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 17, 1976 (PAUSA 27, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 37	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	पृष्ठ 97
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	83	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	199
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	5
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	43	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	461
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	43
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	3
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	721
		भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	11

CONTENTS

	PAGE	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non- Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	37	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	199
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Ap- pointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Minis- tries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	83	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	5
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non- Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence		PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	461
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Ap- pointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence.	43	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	43
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regula- tions	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commis- sioners.	3
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertise- ments and Notices issued by Statutory Bodies	721
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Sta- tutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	11

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1976

सं० 1-प्रेज/76—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक प्रदान किये जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :-

1. श्री हुसैन खां, (मरणोपरांत)
फुटेरा वार्ड सं० 3,
दमोह (मध्य प्रदेश)।

28 जुलाई, 1974 को श्री हुसैन खां ने, जब वे दमोह में फुटेरा टैंक पर अपने कपड़े धो रहे थे, अचानक दो लड़कियों की चीख-पुकार की आवाजें सुनीं जो कि डूबने ही वाली थीं। उन्होंने तुरन्त टैंक में कूद कर, गहरे पानी में डूबी हुई लड़कियों को पकड़ लिया और उन्हें सुरक्षित किनारे पर ले आये। यह शोर सुनने पर कि एक और लड़की पानी में रह गई है, वे फिर पानी में उतरे और लड़की की तलाश में गहराई की ओर गए। परन्तु वहां वे घास-पात में फंस गए और डूब गए। उन्हें बाहर निकाला गया और अस्पताल भेजा गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

दो लड़कियों की जानें बचाने में श्री हुसैन खां ने, बड़े जोखिम की स्थिति में उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया और अपना जीवन न्योछावर कर दिया।

2. श्री ओम प्रकाश शर्मा (मरणोपरांत)
इन्स्ट्रूमेंट मैकेनिक,
506, आर्मी बेस बर्कजाप,
जबलपुर (मध्य प्रदेश)।

26 दिसंबर, 1973 को लगभग मध्याह्न 1.50 बजे जब श्री ओम प्रकाश शर्मा जबलपुर में मिलिट्री लाइन्स से गुजर रहे थे, उन्होंने कुछ महिलाओं की चीख-पुकार सुनी जो सड़क से 150 मीटर की दूरी पर मिट्टी खोद रही थीं। वे कुछ अन्य व्यक्तियों के साथ उस स्थान की ओर दौड़े और यह पता लगने पर कि दो औरतें और एक बच्चा मिट्टी के एक बड़े ढेर के नीचे जिन्दा दब गए हैं, उन्होंने गहरे में छत्ता लगाई और एक औरत तथा एक बच्चे को बाहर निकालकर बचाने में सफल हो गए। जब वे वहां मौजूद अन्य व्यक्तियों की मदद से दूसरी औरत को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे, तो मिट्टी का एक और बड़ा ढेर उन पर आ गिरा और वे गम्भीर रूप से घायल हो गए। वे अस्पताल ले जाए गए जहां, उन चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

411GI/75

श्री ओम प्रकाश शर्मा ने, उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया तथा अपनी जान की परवाह न करते हुए एक औरत और एक बच्चे की जान बचाई।

3. 6311710 लांस नायक जगदीश कुमार, (मरणोपरांत)
641 सिगनल कम्पनी,
जोधपुर (राजस्थान)।

5 मई, 1975 को करीब सांय 7.30 बजे लांस नायक जगदीश कुमार ने लैसर लाइन, जोधपुर में अपने साथ वाले क्वार्टर से, जहां भयंकर आग लग गई थी, हवलदार जनार्दन सिंह की पत्नी श्रीमति आशादेवी की चीख-पुकार सुनी। लांस नायक जगदीश कुमार शट अपने क्वार्टर से निकले और उन्होंने आग की लपेट में फंसी महिला को बचा लिया। इस कार्य में उनके शरीर पर आग से कई गम्भीर घाव हो गए थे। अपने घावों की परवाह न करते हुए वे सरकारी तथा निजी सम्पत्ति को बचाने के उद्देश्य से आग को बुझाने के लिए एक बार फिर क्वार्टर में घुसे। बाद में उनकी गम्भीर घावों के कारण जोधपुर के मिलिट्री अस्पताल में मृत्यु हो गई।

लांस नायक जगदीश कुमार ने, अपूर्व साहस और दृढ़-संकल्प का परिचय दिया और एक श्रेष्ठ काम के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया।

सं० 2 प्रेज/76—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उत्तम जीवन रक्षा पदक प्रदान किये जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :-

1. श्री आत्मकुरी पापा राव,
गांव मंडपका, तालुक टानुकु,
जिला पश्चिम गोदावरी (आंध्र प्रदेश)।

9 जुलाई, 1973 को जिला पश्चिम गोदावरी के पिडोपाळु तथा मंडपका गांवों की कुछ महिला मजदूरों ने जब यह सुना कि अट्टीली नहर के पश्चिमी और स्थित खेतों में कृषि-सम्बन्धी काम की मजदूरी की दर बढ़ गई है तो वे फौरन नहर को डोंगी से पार करने के लिए झुंडों में आने लगीं। लगभग 46 महिला मजदूर, नाविक द्वारा दी गई चेतावनी की परवाह न करते हुए एक छोटी नाव में चढ़ गईं, हालांकि नाव केवल ग्यारह व्यक्तियों को ले जा सकती थी। आंध्रक भार के कारण, नाव नहर के पूर्वी बांध पर टल गई और परिणामस्वरूप नौ औरतें डूब गईं और उनकी मृत्यु हो गई। गांव मंडपका के किसान श्री आत्मकुरी पापा राव ने साहस और दृढ़ निश्चय के साथ तथा अपनी जान के खतरे की परवाह न करते हुए नहर के तेज बहाव का डटकर मुकाबला किया और सात औरतों की जान बचा ली।

श्री आत्मकुरी पापा राव ने अपनी जान को खतरे में डालकर सात औरतों की जान बचाने में अनुकरणीय साहस, सूझबूझ तथा दृढ़-संकल्प का परिचय दिया।

2. श्री मुनानीकट कुन्हलीकुट्टी,
झाड़वर, सी० सी० ट्रान्सपोर्ट कम्पनी पार्सल सर्विस,
कालीकट-1 (केरल)।

27 जुलाई, 1973 को बहुत सवरे जब श्रीमति पी० राधामणि 28 वर्षीय भारतपुष नदी में नहा रही थीं तो अचानक उनका पैर फिमल गया और वे गहरे पानी में बह गईं। वे तैरना नहीं जानती थीं और उनका बचना मुश्किल नजर आ रहा था इसलिए दूसरी औरतों ने शोर मचा दिया। लारी झाड़वर श्री मुनानीकट कुन्हलीकुट्टी ने, जो उस समय पास से गुजर रहे थे, जब औरतों के शोर की आवाज सुनी तो उन्होंने लारी को रोक लिया और तुरन्त घटनास्थल की ओर बढ़े और बिना किसी झिझक के तथा अपनी जान की परवाह न करते हुए नदी में कूद पड़े। उन्होंने डूबती महिला को पकड़ लिया और बड़े परिश्रम से उसे किनारे तक ले आए।

अपनी जान के खतरे की परवाह न करते हुए, श्री मुनानीकट कुन्हलीकुट्टी ने, श्रीमति पी० राधामणि को बचाने में अनुकरणीय साहस और तत्परता का परिचय दिया।

3. श्रीमति जसुमति जमनादास रायकुंडलिया,
द्वारा श्री पुरुषोत्तम मूलजी,
नाथू गोवा बिल्डिंग, द्वितीय तल,
140, डी'सौजा स्ट्रीट, बाडगडी,
बम्बई-3 (महाराष्ट्र)।

17 अप्रैल, 1974 को अपराह्न लगभग 4.30 बजे अचानक एक विस्फोट हुआ जिसके परिणामस्वरूप आग लग गई और जिसने श्रीमती 13/15, दरयास्तान स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित महाजनवाला माला नाम से ज्ञात पूरी बिल्डिंग को अपनी लपेट में ले लिया। सारी बिल्डिंग में बड़ी हलचल मच गई और शाम का समय होने के कारण अधिकांश आदमी काम पर बाहर थे। केवल बच्चे तथा औरतें ही मौजूद थीं। श्रीमति जसुमति जमनादास रायकुंडलिया, जो कि तृतीय तल पर कमरा नं० 26 और 27 पर अपने परिवार सहित रहती थीं, प्रशंसनीय धैर्य और साहस का परिचय देते हुए 4 महीने से 3 वर्ष की आयु के बीच के 4 बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले आई जहां से फिर फायरमैनो ने उन्हें ले जाकर बचा लिया परन्तु वे स्वयं अपने आठ वर्षीय पुत्र को न बचा सकीं जिसकी आग में जल कर मृत्यु हो गई।

श्रीमति जसुमति जमनादास रायकुंडलिया ने, चार बच्चों की जानें बचाने में बड़े साहस का परिचय दिया।

4. कुमार सत्यवान चन्द्र कान्त कुबाल,
कंडलगंव (केलमवाडी), तहसील मत्वान,
जिला रत्नगिरी (महाराष्ट्र)।

19 मई, 1974 को सर्वश्री प्रफुल्ल 18 वर्षीय तथा नरेंद्र 16 वर्षीय खाड़ी में तैरने के लिए गए। तैरते-तैरते श्री नरेंद्र गहरे पानी में चला गया और बहाव में फंस गया। उसने वापस न आ सकने के कारण मदद के लिए शोर मचाया। उसकी आवाज सुनकर

उसका भाई श्री प्रफुल्ल उसकी मदद करने के लिये बढ़ा लेकिन वह उसको नहीं बचा सका। बल्कि दोनों खतरे की लपेट में आ गए। यह देखकर खाड़ी के पास खड़े कुछ बच्चों ने मदद के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर कुमार सत्यवान चन्द्रकान्त कुबाल 13 वर्षीय खाड़ी में कूद पड़ा और अपनी जान को खतरे में डालकर उन्हें खींच कर किनारे पर ले आया और उनकी जान बचा ली।

कुमार सत्यवान चन्द्रकान्त कुबाल ने, अपनी जान को खतरे में डालकर दो व्यक्तियों की जानें बचाने में अनुकरणीय साहस और तत्परता का परिचय दिया।

5. 3350416 लांस नायक मुच्चा सिंह, (मरणोपरान्त)
गांव भुलपुर, डाकखाना मियानी,
थाना तन्दौरमान,
तहसील दसूआ,
जिला हुशियारपुर (पंजाब)।

21 फरवरी, 1973 को जब लांस नायक मुच्चा सिंह अपने गांव में वार्षिक छुट्टी पर थे और दूसरे गांव में अपने रिश्तेदारों को मिलने जा रहे थे तो उन्होंने सड़क के किनारे एक पोखर से किसी बच्चे की बेदनाभरी कराह सुनी। खतरे की परवाह न करते हुए वे पोखर में कूद पड़े पर जब वे घटनास्थल पर पहुंचे, बच्चा पानी में काफी नीचे जा चुका था। बच्चे को बाहर निकालने में उनके बार-बार प्रयास करने का भी कोई लाभ न हुआ तो भी उन्होंने धैर्य नहीं छोड़ा। बच्चे को बचाने के लिए वे बार-बार पानी में जाते रहे, पर आखिर वे पोखर के तले पर घास-पात में फंस और गए, ऊपर नहीं आ पाए और डूब गए।

लांस नायक मुच्चा सिंह, ने शौर्यपूर्ण दृढ़-संकल्प और साहस का परिचय दिया और बच्चे को बचाने में अपने आप को बलिदान कर दिया।

6. श्री पराप्पलिल वर्की जान,
द्वारा श्री जी० कुमार (मचट),
डाकखाना, रंगपो,
रंगपी (सिक्किम)।

26 नवम्बर, 1974 को जब श्री पराप्पलिल वर्की जान तीसता ब्रिज पर यातायात गणना के लिए गणनाकार का काम कर रहे थे तो उन्होंने देखा कि एक बड़ा आदमी तीसता नदी के तेज बहाव में बहे जा रहा है। उसी क्षण उन्होंने बिना कपड़े उतारे पुल पर से, जो कि नदी के सामान्य स्तर से लगभग 100 फुट ऊंचाई पर था, नदी में छलांग लगा दी। तेज बहाव के बावजूद वे डूबते हुए आदमी के पीछे गए और एक साहसपूर्ण प्रयत्न के बाद उसे किनारे पर ले आए। उस व्यक्ति को किनारे पर लाने के प्रयास में वे पूरी तरह थक कर चूर हो चुके थे। इस बीच, कई व्यक्ति किनारे पर इकट्ठे हो गए थे, और उन्होंने श्री जान की मदद की।

श्री पराप्पलिल वर्की जान ने, अपने जीवन को गम्भीर खतरे में डालते हुए एक डूबते हुए व्यक्ति को बचाने में असाधारण साहस का परिचय दिया।

7. श्री यामत मोदी,
गांव मिकांग,
डाकखाना पासीघाट (अरुणाचल प्रदेश)।

26 अक्टूबर, 1974 को गांव मिकांग के ग्राम श्री तेयांग दारंग कुछ अश्व प्रामीणों के साथ, जिनमें श्री यामत मोदी 19 वर्षीय भी थे, जंगल में गए। जब ने शिकार कर रहे थे तो एक शेर ने गाम पर आक्रमण किया और गाम अपने को शेर की पकड़ से नहीं छुड़ा सके। गाम को बचाने के इरादे से हाफलांग-प्रशिक्षित स्वयं-सेवक श्री यामत मोदी ने, जिनके पास 12 और की बन्दूक थी, नजदीक से गोली चलाई जो शेर के बदन को चीरती हुई पार हो गई पर शेर ने गाम को फिर भी नहीं छोड़ा। तब श्री मोदी ने एक दाओ लिया और अदम्य साहस का परिचय देते हुए इससे शेर पर प्रहार किया। कई बार दाओ लगने के बाद शेर धड़ाम से गिर पड़ा।

श्री यामत मोदी ने, श्री तेयांग दारंग की जान बचाने में अनुकरणीय साहस और तत्परता का परिचय दिया।

सं० 3-प्रेज/76—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को जीवम रक्षा पदक प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. कुमारी थ्रेसिसयम्मा फ्रांसिस,
कोल्लामाला हाउस, कुरुषामूझी पी० आ०,
कोराट्टी, एरुमेली, जिला कोट्टायम (केरल)।

29 मार्च, 1972 को शीला नामक एक 9 वर्षीय लड़की जब मणिमाला नदी में नहा रही थी, एकाएक लहरों की चपेट में आ गई और दस-बारह फुट तक गहरे पानी में बह गई। इस छोटी सी लड़की को अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करते हुए देखकर, उसकी बड़ी बहन बलसम्मा 12 वर्षीय नदी में कूद पड़ी और उसने शीला को पकड़ लिया परन्तु दुर्भाग्यवश उन दोनों ने नियंत्रण खो दिया और डूबने लगीं, उसी क्षण, जब कुमारी थ्रेसिसयम्मा फ्रांसिस 15 वर्षीय ने यह दर्दनाक दृश्य देखा तो वह उनको बचाने के लिए नदी में कूद पड़ी। परन्तु जब दोनों लड़कियों ने उसको पकड़ लिया तब वे तीनों डूबने लगीं, उसी समय कुमारी मैरी कुट्टी मैथू (मोलीकुट्टी) उनको बचाने के लिए आई और उन सब को डूबने से बचा लिया गया।

यद्यपि उपर्युक्त कारणों से उसके अपने प्रयत्न सफल नहीं हुए तथापि कुमारी फ्रांसिस ने, दो लड़कियों को डूबने से बचाने के प्रयत्न में अपने जीवन को जोखिम में डालकर पहल-शक्ति, तत्परता और उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया।

2. श्रीमती अरुणाबाई देवेन्द्र जोशी,
द्वारा श्री मोहनजी कानजी जोशी,
कमरा नं० 12/13, मलवारी हाउस, पहला फ्लोर,
वीर विट्ठलदाम चन्दन स्ट्रीट, बम्बई-3 (महाराष्ट्र)।

17 अप्रैल, 1974 को करीब 4.30 बजे सायं को अचानक एक विस्फोट हुआ जिसकी बजह से आग लग गई जो 13/15, दरिया-स्तान स्ट्रीट, बम्बई-3 पर स्थित महाजनवाला माला नामक पूरी इमारत में तेजी से फैल गई। मारी इमारत में भारी शोरगुल मच गया। शाम का समय होने के कारण, अधिकांश पुरुष ड्यूटी पर बाहर थे और केवल बच्चे व महिलाएं मौजूद थीं। श्रीमती अरुणाबाई देवेन्द्र जोशी ने, जो पहले फ्लोर पर कमरा नम्बर 8 और 9 में अपने परिवार के साथ रह रही थी, बड़े धैर्य और साहस का परिचय देते

ए अन्य निवासियों के 2 से 8 वर्ष तक की उम्र के चार बच्चे इकट्ठे किए और उन्हें एक-एक करके अधजली खिड़की से एक तिरपाल पर नीचे फेंका जिसे वहां खड़े व्यक्ति मजबूती के साथ पकड़े हुये थे और उन्होंने बच्चों को सही सलामत उठा लिया।

श्रीमती अरुणाबाई देवेन्द्र जोशी ने, साहस और तत्परता से काम लिया और चार बच्चों की जान बचा ली।

3. मास्टर कुरियाकोस जोसफ,
विलिडलयाकाराडल, किलावकुम्मारी,
कोवकोथमंगलम, शटाल्लै,
जिला एल्लेप्पे (केरल)।

14 मार्च, 1974 को मास्टर मुरलीधरन नायर 13 वर्षीय चौदह फुट गहरे कुएं से पानी खींचते समय उसमें गिर पड़ा। मास्टर कुरियाकोस जोसफ वहां उपस्थित व्यक्तियों की चीख पुकार सुनकर घटनास्थल पर पहुंचे और अपने जीवन की परवाह न करते हुए कुएं में कूद पड़े, मास्टर मुरलीधरन नायर को अपने कंधे पर उठा लिया और उस समय तक कुएं की मुंडेर को पकड़े रखा जब तक कि किनारे पर खड़े लोगों ने उन दोनों को बाहर नहीं निकाल लिया।

मास्टर कुरियाकोस जोसफ ने, बड़े साहस और तत्परता के साथ शौर्य का यह महान् कार्य किया।

4. श्री विश्वम्भरण,
पुत्र श्री गोपालन, थुरुबाथु हाउस,
कोराट्टी कंजीराप्पली तालुक,
जिला कोट्टायम (केरल)।

8 जुलाई, 1974 को अपराह्न 2.30 बजे श्रीमती अमीना जब मणिमाला नदी के किनारे पर बैठी अपने कपड़े धो रही थी तो अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में गिर पड़ी। नदी में बाढ़ आई हुई थी और पानी का बहाव तेज था, वह बहते-बहते नदी के बीचों बीच पड़ने वाले भंवर में फंस गई और तैरना न जानने के कारण वह अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करने लगी। 18 वर्षीय श्री विश्वम्भरण जो नहाने के लिए नदी की ओर जा रहे थे उसकी आपत्ति को देखते हुए अपने जीवन को खतरे में डालकर नदी में कूद पड़े और उसे बचाने में सफल हुए।

16 अक्टूबर, 1974 को करीब 10 बजे पूर्वाह्न गांव एरुमेली में कोराट्टी में श्री के० पी० एन्थोनी के मकान में अचानक आग लग गई। जबकि वहां पर एकत्रित लोग घबराए हुए खड़े थे, श्री विश्वम्भरण जलते हुए मकान में घुस गए और मकान के अन्दर फंसे श्री एन्थोनी की पत्नी व बच्चों को बचा लाये। उसके बाद वह हिम्मत के साथ जलते हुए मकान की छत पर चढ़ गये, आग को और अधिक फैलने से रोकना और करीब-करीब बुझा दिया। घोर परिश्रम के कारण वह थक कर चूर हो गए थे और बेहोश हो कर जमीन पर गिर पड़े।

श्री एन्थोनी के बीबी बच्चों को बचाने में श्री विश्वम्भरण ने, असाधारण साहस और तत्परता का परिचय दिया वरना वे और मकान दोनों जल गए होते।

5. श्री किशाककेकुशल जेवियर,
पुत्र श्री जीसफ किशाककेरी कुशल हाउस,
अनिकमपोयिल, डाकखाना थिरुवम्बेडी,
कीझाकोड (केरल) ।

15 सितम्बर, 1974 को अपराह्न करीब 4 बजे जब सात बच्चे ओडापोयिल नहर को पार कर रहे थे तो अनिकमपोयिल पहाड़ी क्षेत्र में अचानक भूस्खलन होने की वजह से एकाएक बाढ़ आ गई जिससे बाद में उक्त नहर में पानी का बहाव बढ़ गया। जब बच्चे नहर को पार कर रहे थे तब उस समय नहर में अचानक पानी चढ़ जाने से नहर के ऊपर बने पक्के पुल के दोनों ओर लगी अस्थायी लकड़ी की सीढ़ी बह गई। जो बच्चे पक्के पुल तक पहुंच चुके थे वे असहाय स्थिति में फंस गए और आगे नहीं बढ़ सके। सहायता के लिए उनकी दर्दनाक चीख-पुकार सुनकर, श्री किशाककेकुशल जेवियर, जो नजदीक ही अपने धान के खेत में काम कर रहे थे, घटनास्थल की ओर दौड़े, और अपने जीवन की परवाह न करते हुए बाढ़ के पानी में तैरते हुए पक्के पुल तक पहुंच गए और शीला को छोड़कर बाकी सभी को बचा लाए। जब वह शीला को बाढ़ युक्त नहर में से बाहर ला रहे थे तो तेज बहाव के कारण वह उनके हाथ से निकल गई और वह गई। इस कार्य में श्री जेवियर भी बह गए और बेहोशी की हालत में करीब आधी फर्रांग की दूरी पर स्थित एक कुएं में जा गिरे जहां से दूसरे लोगों ने उन्हें बाहर निकाला तथा उनकी आई चोटों के इलाज के लिए उन्हें अस्पताल भेजा गया।

श्री किशाककेकुशल जेवियर ने, फंसे हुए बच्चों के जीवन को बचाने में उत्कृष्ट साहस और तत्परता का परिचय दिया।

6. कुमारी थेक्कीथिल ममुरी इडीकुल्ला सोसम्मा,
थेक्कीथिल ममुरी हाउस, किडानागनूर मुरी,
गांव अरनमुला, तालुक चेंनगाबूर,
जिला कोट्टायम (केरल) ।

18 अगस्त, 1974 को कुमारी थेक्कीथिल ममुरी इडीकुल्ला सोसम्मा, 15 वर्षीय तीन बच्चों के साथ सड़ें स्कूल को जाते समय अपने रास्ते में पड़ने वाले मुन्डाकायु मुन्नूवेडीखेत पर स्थित तालाब के किनारे से गुजर रही थी। रास्ते में कुमारी जोली एक साप को देखकर डर गई, नियंत्रण खो बैठी और दस फुट गहरे तालाब में गिर पड़ी। दूसरे दो बच्चे, मेरीअम्मा और जोसे भी जोली को बचाने के लिए तालाब में कूद पड़े, परन्तु अपने प्रयत्न में सफल न हो सके और वे सब डूबने ही वाले थे। यह दर्दनाक दृश्य देखकर कुमारी सोसम्मा ने जल्दी से अपनी स्कर्ट की लैंस को नजदीक किनारे पर खड़े रबर के पेड़ से मजबूती के साथ बांधा और अपने हाथों को फैला कर जोसे की कमोज को पकड़ लिया और इस प्रकार उसकी जान बचाई। इसी प्रकार जोल्ली और मेरीअम्मा को भी तालाब से बहार निकाल लिया।

कुमारी थेक्कीथिल ममुरी इडीकुल्ला सोसम्मा ने अपने जीवन को खतरे में डालकर तीन बच्चों के जीवन को बचाने में पहल और तत्परता का परिचय दिया।

7. मास्टर गोपाल कुरूप कर्मचन्द्रन,
पुलिन्यानाथू वीडू,
धोन्नानूर, पंडासम,
जिला ऐल्लेप्पे (केरल)

2 दिसम्बर, 1974 को सुबह करीब 8 बजे कुमारी अनिता, 12 वर्षीय जो दो अन्य लड़कियों के साथ अचनकोयल नदी में तैर रही थी, तैरती-तैरती थक गई और नदी में बहती हुई वहां तक पहुंच गई जहां पर पानी 15 फुट गहरा था। अन्य दो लड़कियों का शोर सुनकर, 14 वर्षीय मास्टर गोपाल कुरूप कर्मचन्द्रन, अपने जीवन की परवाह न करते हुए नदी में कूद पड़े, तैरते हुए वहां पहुंच गये जहां पर पानी गहरा था, कुमारी अनिता को बालों से पकड़ कर उसे किनारे तक ले आये।

मास्टर गोपाल कुरूप कर्मचन्द्रन ने कुमारी अनिता के जीवन को बचाने में पहल-शक्ति और उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया।

8. श्री काशीराम विथु पत्कर,
स्थान और डाकखाना बागमाला,
तालुका देवगढ़, जिला रत्नगिरी (महाराष्ट्र)

13 जुलाई, 1974 को श्री मोतीराम शान्ताराम रमडे अपने पुत्र विलीप के साथ मछली पकड़ने के लिए गये। अपने पुत्र की नदी के किनारे पर रुके रहने के लिए कह कर, वह मछली पकड़ने के लिए नदी के दूसरे किनारे पर गये। परन्तु विलीप उसके पीछे-पीछे पानी में उतर गया और जब वह डूबने वाला था तो सहायता के लिए शोर मचाया। यह देखकर उसके पिता नदी में कूद पड़े, परन्तु दौरा पड़ने के कारण वे बेहोश हो गए और बच्चे की सहायता न कर पाये। वास्तव में वे खुद डूब गये और उनकी मृत्यु हो गई।

श्री काशीराम विथु पत्कर, जो निकट ही खेत में काम कर रहे थे, आवाज सुनकर नदी में कूद पड़े, विलीप को उठाया और किनारे पर ले आये। वह श्री मोतीराम की जान बचाने के लिए नदी में फिर कूद पड़े किन्तु नदी के गहरे पानी में वह उनको नहीं खोज सके।

श्री काशीराम विथु पत्कर ने, विलीप को बचाने में निस्वार्थ साहस और बड़ी सूझ-बूझ का परिचय दिया।

9. श्री लक्ष्मण नरहरराव पाटिल,
एन० डी० एस० आई० टीचर, अश्वल हाई स्कूल,
स्थान व डाकखाना अस्ताकासर, तालुक ओमरगा,
जिला ओसमानाबाद (महाराष्ट्र)

1 फरवरी, 1973 को शाम को एक गरीब मजदूर श्री मानसिंह के घर में आग लग गई। जबकि दूसरे सभी बच्चे अपनी मां के साथ बाहर आ गए, चार महीने का एक छोटा बच्चा पालने में ही रह गया। श्री लक्ष्मण नरहरराव पाटिल दृढ़ निश्चय और साहस के साथ अन्दर गए और बच्चे को लपेटों से बचा कर सुरक्षित बाहर ले आए और उसे उसकी मां को सौंप दिया। ऐसा करने समय उनका दाहिना हाथ जल गया।

श्री लक्ष्मण नरहरराव पाटिल ने, अपने जीवन को खतरे में डालकर बच्चे को बचाने में अनुकरणीय साहस और तत्परता का परिचय दिया।

10. श्रीमती फतलुबाई,
पत्नी श्री मानिका,
गांव और डाकघर शिलवानी,
द्वारा हनेगांव, तालुका देगलूर,
जिला नांदेड (महाराष्ट्र)

28 जनवरी, 1975 को लगभग 11.00 बजे शिलवानी टांडा में आग लग गई, जिसमें 41 झोंपड़ियां जल गईं और इन झोंपड़ियों के निवासी बेघर हो गए। जब आग लगी हुई थी तो तीन बच्चे झोंपड़ियों में ही रह गए थे। श्रीमती फतलुबाई, जो उन्हीं झोंपड़ियों में रहती थी, का ध्यान इस ओर गया और वह घटनास्थल की ओर लपकी, जो पूरी तरह से आग से घिर चुका थी। उन्होंने अपने जीवन को खतरे में डालकर उन बच्चों को बचा लिया और उन्हें बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले आई।

श्रीमती फतलुबाई ने तीन बच्चों को आग से बचाने में अनुकरणीय साहस और तत्परता का परिचय दिया।

11. कुमार शबीर गफूर फकीर,
मुकाम ब पोस्ट करमला,
तालुका करमला,
जिला शोलापुर (महाराष्ट्र)

20 मार्च, 1975 को शाम 4 बजे अशासक जगतप विद्यालय के कुछ लड़के क्रिकेट खेल रहे थे कि जोर से हिट करने से उनकी गेंद खो गई और वे उसे आस-पास के मैदान में दौड़ने लगे। कुमार नारायण ढाले 12 वर्षीय ने गेंद को मैदान के पास वाले कुएं की सीढ़ी पर देखा और उसे लाने के लिए नीचे उतरते समय उसका पांव फिसल गया और वह लुकड़ता हुआ पानी में जा गिरा। यह देखकर उसका मित्र कुमार एम० एस० दोशी 13 वर्षीय उसकी सहायता के लिए नीचे उतरा। कुमार दोशी ने कुमार ढाले का हाथ पकड़ लिया परन्तु उसे पानी से बाहर खींच लाने का प्रयत्न करते समय वह अपना संतुलन खो बैठा और दोनों ही पानी में गिर पड़े। हालांकि, कुमार दोशी तैरना जानता था परन्तु वह तैर न सका क्योंकि कुमार ढाले ने, जो तैरना नहीं जानता था और पूरी तरह से भयभीत था, उसे मजबूती से जकड़ रखा था, और वे दोनों ही डूबने लगे। यह देखकर उनमें से एक लड़के, कुमार शबीर गफूर फकीर 11 वर्षीय ने कुएं में छलांग लगा दी और कुमार ढाले और कुमार दोशी दोनों को पानी से बाहर ले आया।

कुमार शबीर गफूर फकीर ने, दोनों लड़कों को डूबने से बचाने में बड़ी सूझ-बूझ, साहस और तत्परता का परिचय दिया।

12. श्री छन्दम्मा,
मिर्जोरम।

ग्रामीण बालक 11 वर्षीय श्री छन्दम्मा ने अपने आठ मित्रों सहित घने जंगल में मेटवैली में घूमते समय एक अजगर को देखा। यह सोचकर कि वह मरा हुआ है वे उसके पास पहुंच गए किन्तु जैसे ही वे अजगर के पास आए उसने अपना सिर उठाया और रित्तिधामा 9 वर्षीय को कंधे से पकड़ कर अपने नीचे दबोच लिया। लड़के ने उठने का प्रयत्न किया परन्तु उठ न सका और चिल्लाने लगा। तब तक उसके सारे मित्र भाग गए थे परन्तु छन्दम्मा ने, सहायता के लिए जब अपने मित्र की चीखें सुनी तो उसने ऐसा नहीं किया। वह फौरन वापस आया 41 GI/75

और उसने अजगर को नीचे गिरा कर अपने मित्र के कंधे को छुड़ाया और उसे तेजी से अपने पीछे आने को कहा। परन्तु जब उसने देखा कि उसका मित्र चलने में असमर्थ है तो वह उसे हाथ से खींच कर भगा लाया।

श्री छन्दम्मा ने, अपने जीवन को खतरे में डालकर अपने मित्र को अजगर के चंगुल से छुड़ाने में असाधारण साहस और तत्परता का परिचय दिया।

13. श्री धीसू लाल भंडारी,
43, हाउसिंग मोनाइटी,
साउथ एक्सपेंशन, पार्ट-1, नई दिल्ली।

14 मई, 1974 को पूर्वाह्न लगभग 11.30 बजे अपने स्कूटर से मदनगिरि जाते समय श्री धीसू लाल भंडारी ने चिराग दिल्ली के चौराहे के पास-सी-4, पंचशील एन्क्लेव, नई दिल्ली के सामने छप्पर को एक झोंपड़ी में आग लगी हुई देखी। तेज हवा के कारण यह आग पास की पांच और झोंपड़ियों में भी फैल गई। जलती हुई झोंपड़ियों में से कुछ बच्चों की चीख-पुकार सुनकर उन्होंने फौरन अपना स्कूटर रोक लिया। वे फौरन झोंपड़ियों के चारों तरफ गए। अपने जीवन के घोर खतरे की परवाह किए बिना वह एक झोंपड़ी में घुस गए जिसमें सहायता के लिए एक बच्चा चिल्ला रहा था। उन्होंने बच्चे को उठा लिया और उसे बाहर ले आने में सफल हो गए। पर इस कार्रवाई में उनके शरीर व दाहिने बाजू पर जलने के घाव हो गए। इसके बाद, झोंपड़ियों से सामान निकालने, आग को नियंत्रित करने के लिए झोंपड़ियों की दीवारें गिराने तथा अधजला सामान बचाने में उन्होंने राहगीरों तथा मजदूरों का निर्देशन किया।

श्री धीसू लाल भंडारी ने, अपने जीवन को खतरे में डालकर, बच्चों की जान बचाने में अनुकरणीय लोकहित की भावना तथा निःस्वार्थ सेवा का परिचय दिया।

14. मास्टर सोमामायक मोहम्मद शफी,
पुत्र श्री मेदा, बेंगलूरम्पी,
कदमत द्वीप, लक्षद्वीप।

9 फरवरी, 1975 को 10 वर्षीय मास्टर सोमामायक मोहम्मद शफी अपने कुछ मित्रों के साथ समुद्र तट पर खेल रहा था। चार वर्षीय बालिका, आईशोमबी कुछ दूरी पर खड़ी लड़कों को देख रही थी, वह अपने बहुत नजदीक किनारे पर आकर उकराने वाली लहरों के बारे में देखकर थी। एक बड़ी लहर उसके पैरों के नीचे की मिट्टी बहा कर ले गयी और वह पानी में जा गिरी। पीछे लौटता हुआ पानी उसे बहा कर दूर ले गया और वह समुद्र का पानी निगल जाने के कारण न तो तैर सकी और न ही सहायता के लिये चिल्ला सकी। बच्चों ने अपने खेल में मस्त होने के कारण उसे बहता हुआ नहीं देखा। थोड़ी देर बाद अचानक मास्टर सोमामायक मोहम्मद शफी की निगाह कुछ दूरी पर छटपटाती हुई एक चीज पर पड़ी। पहले तो वह समझ ही नहीं सका कि यह क्या चीज है। अन्त में, यह सोचकर कि कोई बच्चा है वह पानी में कूद पड़ा और जितनी तेजी से वह तैर सकता था उतनी तेजी से वह तैर कर गया। तब तक तेज धारा बच्चों को समुद्र तट से 100 मीटर दूर ले जा चुकी थी। वह दृढ़ निश्चय और साहस से उस तक पहुंच गया और उसे पांव से पकड़ लिया। तेज धारा के विपरीत एक हाथ से तैरना उसके लिए बहुत जटिल काम था जबकि

दूसरे हाथ से बच्चे को पकड़ा हुआ था, फिर भी वह उसे किनारे पर जीवित ले आने में सफल रहा। थककर चूर हो जाने पर, उसने अपने साथियों को सहायता के लिए चिल्लाने के लिए कहा परन्तु वे डरे हुए थे और मूकवृद्ध खड़े रहे। तब वह जोर से चिल्लाया जिसे सुनकर कुछ औरों ने वहाँ आ पहुँची और बच्चे को अस्थान में दाखिल करा दिया गया।

मास्टर सोमनाथक मोहम्मद शफी ने, डूबते हुए बच्चे को बचाने में साधारण साहस, और सूखबूझ का परिचय दिया।

15. 3961919 सिपाही जगत राम,
आर्मी क्लर्क ट्रेनिंग स्कूल,
औरंगाबाद।

26 अप्रैल, 1974 को हिमाचल प्रदेश के बिसारी गांव के 6 मकानों में आग लग गयी। जलते हुए एक मकान में से चीख-पुकार सुनकर सिपाही जगत राम जो उस समय छुट्टी पर थे, दौड़कर जलते हुए मकान में कूद गये। बड़ी कठिनाई का सामना करते हुए वह एक बूढ़ा को, जो मकान में फंस गई थी, और बुरी तरह जल गई थी, निकाल लाए। वह फिर मकान में कूदे और उसका सामान निकाल लाए। ऐसा करते समय उनको जलने से घाय हो गए। उनके स्वयं के उदाहरण से गांव के अन्य लोगों को प्रेरणा मिली और उन्होंने आग के शिकार हुए अन्य लोगों के जीवन और सम्पत्ति की रक्षा की, तथा पूरी तरह आग बुझाने में भी मदद की।

सिपाही जगत राम ने, बड़े साहस, दृढ़ निश्चय और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

कृ० बालचन्द्रन, राष्ट्रपति के सचिव

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

संकल्प

सं० ऋषू (हिन्दी)/621/48/75— विदेश मंत्री की अध्यक्षता में 14 अगस्त 1975 को केन्द्रीय हिन्दी समिति की विदेश मंत्रालय की उप समिति की बैठक में किए गए निर्णय के अनुसार नीचे लिखे सदस्यों की एक पुरस्कार समिति का गठन किया गया है :—

- | | |
|---|------------|
| 1. श्री यशवंतराव बलवंतराव चव्हाण | अध्यक्ष |
| 2. श्री सुधाकर पाण्डेय, संसद सदस्य | सदस्य |
| 3. श्री गंगा शरण सिंह | सदस्य |
| 4. श्री अनन्त गोपाल शेषड़े | सदस्य |
| 5. श्री धर्मवीर भारती (संपादक, धर्मयुग, बम्बई) | सदस्य |
| 6. श्री रमा प्रसन्न नायक (भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार) | सदस्य |
| 7. श्री जगत सिंह मेहता (अपर सचिव, प्रशासन एवं अफ्रीका) | सदस्य |
| 8. श्री हरबंस लाल शर्मा (निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय) | सदस्य |
| 9. श्री बच्चू प्रसाद सिंह, विशेषाधिकारी (हिन्दी) | सदस्य-सचिव |

पुरस्कार समिति पुरस्कार देने के लिए विदेशी हिन्दी-लेखकों के चयन में उत्समिति को परामर्श देगी। पुरस्कार समिति की नियुक्ति इसके गठन की तारीख से एक वर्ष तक के लिए होगी पुरस्कार समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, योजना आयोग, नियंत्रक व महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय और विदेश स्थित भारतीय मिशन को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्व साधारण के सूचनार्थ भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

सुरेन्द्र सिंह आलीराजपुर, संयुक्त सचिव

उद्योग और नागरिक पुति मंत्रालय
(नागरिक पुति और सहकारिता विभाग)
नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

संकल्प

सं० आर०-17011/3/74-समन्वय—इस विभाग की 22 मार्च, 1975 की अधिसूचना संख्या आर०-17011/3/74-यो० तथा सम०, जिसके द्वारा सहकारिता सम्बन्धी सलाहकार परिषद का पुनर्गठन किया गया था, में नीचे दिये गये परिवर्तन किये जाते हैं :—

क्रम संख्या 3 पर “श्री आर० के विवेदी” के स्थान पर “नागरिक पुति और सहकारिता विभाग के प्रभारी अपर सचिव, श्री एस० एस० पुरी” का नाम रखा जाये।

क्रम संख्या 18 पर “श्री एस० ए० कुरेशी” के स्थान पर “ग्राम विकास विभाग के प्रभारी सचिव/अपर सचिव” शब्द रखे जायें।

आदेश

आदेश है कि इस संकल्प की कापी सभी सम्बन्धितों को भेजी जाए। यह भी आदेश है कि इस संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

ए० दास, संयुक्त सचिव

कृषि और सिंचाई मंत्रालय
(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

संकल्प

सं० 7-5/75-अर्थ नीति—भारत सरकार ने कृषि मूल्य आयोग को सलाह देने के लिये कृषकों पैनल को पुनर्गठित करने का निर्णय किया है, जिसको कि पिछली बार संकल्प संख्या 7-10/72-अर्थ नीति दिनांक 27-8-1973 और 19-11-1973 के द्वारा पुनर्गठित किया गया था।

पैनल की सदस्यता निम्न प्रकार होगी :—

क्रम सं०	राज्य	नाम
1.	आन्ध्र प्रदेश	श्री मूर्धिराजू, बी० एस० सी० (ए०सी०) सेवानिवृत्त कृषि उप निदेशक कालिकी बाया विन्नगुन्टा पोस्ट, कांडूकर तालुक, जिला प्रकासम।

क्रम सं०	राज्य	नाम	क्रम सं०	राज्य	नाम
2.	असम	श्री सोनेश्वर कंवर, भलौईबाड़ी	21.	पश्चिम बंगाल	श्री नुरुल इस्लाम, सदस्य विधान सभा, ग्राम जगन्नाथपुर, पो० आ० महानद, जिला हुगली ।
3.	बिहार	श्री बिदेश्वरी प्रसाद सिंह, ग्राम खासपुर, पो० आ० सदीसोपुर, जिला पटना ।	22.		श्री राजदेव सिंह, संसद सदस्य, लोक सभा ।
4.	गुजरात	श्री ईश्वर भाई, नरोत्तमभाई, धमदोद, तालुका बारडोली, जिला सूरत ।	23.		श्री वार्ड० ईश्वरा रेड्डी, संसद सदस्य, लोक सभा ।
5.	हरियाणा	श्री ईश्वर सिंह, सदस्य विधान सभा, हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़ ।	24.		श्री त्रिलोकी सिंह, संसद सदस्य, राज्य सभा ।
6.	हिमाचल प्रदेश	श्री कल्याण सिंह, पांवटा जिला सिरमौर ।	25.		श्री मोहन सिंह, संसद सदस्य, राज्य सभा ।
7.	जम्मू और कश्मीर	श्री राम सिंह चरक, सतबाड़ी (आर० एस० पौरा ब्लाक फार्म, श्रीनगर) ।	<p>पुनर्गठित पैनल का कार्यकाल 27 अगस्त, 1975 से एक साल तक के लिए होगा ।</p> <p>पैनल आवश्यकतानुसार अपनी बैठकें करेगा और कृषि मूल्य आयोग द्वारा सौंपे गए मामलों पर विचार करके सलाह देगा ।</p> <p>आदेश</p> <p>आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के समस्त मंत्रालयों तथा विभागों, राज्यों तथा केन्द्रीय शासित क्षेत्रों के प्रशासनों योजना आयोग, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत सरकार के महानियंत्रक तथा लेखा परीक्षक, अर्थशास्त्रियों के पैनल के समस्त सदस्यों, और कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) के समस्त संलग्न तथा अधीनस्थ कार्यालयों को भेजी जाए ।</p> <p>यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सार्वजनिक जानकारी के लिए भारत सरकार के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए ।</p> <p>एन० ए० आगा, अपर सचिव</p>		
8.	कर्नाटक	श्री बी० आई० गोवदा, बी० एस० सी० (एग्री०), बी० एल० हिरियूर, जिला चित्रदुर्ग ।			
9.	केरल	श्री सी० एल० सोन्दरारजन, बी० एस० सी० (एग्री०) पालवाट ।	<p>ऊर्जा मंत्रालय</p> <p>(कोयला विभाग)</p> <p>नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1975</p> <p>सं० 55018/2/75-सी० ए० एफ०-सी० पी० एम०—ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) के दिनांक 17 जुलाई, 1975 के संकल्प संख्या 55018/2/75-सी० ए० एफ० के द्वारा विभिन्न कोयला कम्पनियों द्वारा किए जाने वाले अनुषंगी कार्यों के प्रश्न पर विचार के लिए गठित विशेषज्ञ समिति का कार्यकाल मार्च, 1976 के अंत तक बढ़ाने का सरकार द्वारा निश्चय किया गया है, ताकि वह समिति विविध स्रोतों और प्राधिकरणों से जानकारी प्राप्त कर सके और उक्त समय तक अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दे ।</p> <p>एस० के० वोस, संयुक्त सचिव</p>		
10.	महाराष्ट्र	डा० डबल्यू० आर० कोरपे, अध्यक्ष, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक, जिला अकोला ।			
11.	मध्य प्रदेश	श्री कृष्ण बिहारी लाल गुरू बी०-ए०, एल० एल० बी०, दमोह, जबलपुर ।			
12.	मणिपुर	श्री के० एच० बुद्ध चन्द्र सिंह, कोंगबा बाजार, पो० आ० कोंगबा बाजार, पी० एस० सिंगजमेई बाजार, मणिपुर ।			
13.	मेघालय	श्री होरेन जोन्स, शिलांग, सहकारी विपणन समितियां बड़ा बाजार, शिलांग ।			
14.	नागालैण्ड	श्री एल० लुंगालनाज, कोहिमा, बी० पी० ओ० चुमुकेदिथा, पो० आ० दिमापुर सब-डिवीजन, जिला कोहिमा ।			
15.	उड़ीसा	श्री जोगेश चन्द्र सिंह देव, मदनपुर-रामपुर, जिला कालाहांडी ।			
16.	पंजाब	कैप्टेन रतन सिंह, सदस्य विधान सभा, बंगला नं० 44, सेक्टर नं० 2, चंडीगढ़ ।			
17.	राजस्थान	श्री पूनम चन्द विष्णोई, बी० ए०, एल० एल० बी०, बी० आई०, एम० एल० ए० क्वाटर्स जयपुर ।			
18.	तमिलनाडु	श्री पोन चोकालिंगम, सदस्य विधान सभा, 24 पश्चिमपास स्कूल स्ट्रीट, किदमपरम ।			
19.	त्रिपुरा	श्री फरीउद्दीन खान, दुर्गापुर, पो० आ० मोनपुरा, त्रिपुरा वेस्ट ।			
20.	उत्तर प्रदेश	श्री शिव राज सिंह, बिसौली, जिला बदायूं ।			

निर्माण और आवास मन्त्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

संकल्प

सं० 1-77/75-यू० डब्ल्यू० सी०—स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मन्त्रालय (स्वास्थ्य विभाग) के दिनांक 6 मई, 1972 के संकल्प संख्या यू०-13016/9/71-पी० एच० ई० द्वारा गठित नगरीय अपशिष्ट समिति की अवधि को निर्माण और आवास मन्त्रालय के दिनांक 8 अगस्त, 1975 के संकल्प संख्या 13016/9/71-पी० एच० ई० (ई० डब्ल्यू० सी०) द्वारा नवम्बर, 1975 तक बढ़ाई गई थी।

अब यह निर्णय किया गया है कि समिति की अवधि दिसम्बर, 1975 तक बढ़ा दी जाए।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 6th January 1976

No. 1-Pres./76.—The President is pleased to approve the award of SARVOTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK to the undermentioned persons :—

1. Shri Hussain Khan, (Posthumous)
Futera Ward No. 3,
Damoh (Madhya Pradesh).

On 28th July, 1974, Shri Hussain Khan while washing his clothes at the Futera Tank, Damoh, suddenly heard cries of two girls who were on verge of drowning. He immediately jumped into the tank, caught hold of the drowning girls in deep water and brought them safely to the bank. On hearing the shout that there was one more girl who had been left behind, he again entered the water and went deep in search of the girl where he was trapped in weeds and was drowned. He was taken out and sent to hospital where he was declared dead.

Shri Hussain Khan displayed conspicuous courage under circumstances spelling very grave danger to his life and in fact lost it while saving the lives of two girls.

2. Shri Om Prakash Sharma, (Posthumous)
Instrument Mechanic,
506 Army Base Workshop,
Jabalpur (Madhya Pradesh).

On 26th December, 1973 at about 15.50 hours Shri Om Prakash Sharma while passing Military Lines at Jabalpur, heard cries of some ladies who were digging out earth 150 meters from the road. He rushed to the spot with some other personnel and on finding that two women and a child had been buried alive under a large mound of earth, he jumped into the pit and managed to pull out and rescue one of the women and the child. When he was trying to extricate the second woman, with the help of others present there, another large mound of earth fell on him and he was fatally injured. He was taken to the hospital where he succumbed to his injuries.

Shri Om Prakash Sharma displayed conspicuous courage and saved the lives of one woman and one child at the cost of his own life.

3. 6311710 Lance Naik Jagdish Kumar, (Posthumous)
641 Signal Company,
Jodhpur (Rajasthan).

On 5th May 1975, at about 19.30 hours, Lance Naik Jagdish Kumar heard the cries of one Shrimati Asha Devi,

आवेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को निम्नलिखित को भेजा जाए :—

- (i) लोक सभा सचिवालय (ii) राज्य सभा सचिवालय (iii) प्रधान मन्त्री सचिवालय (iv) मंत्रिमण्डल सचिवालय (v) योजना आयोग (vi) राष्ट्रपति के निजी व सेवा सचिव (vii) भारत के नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक (viii) भारत सरकार के सभी मन्त्रालय तथा विभाग (ix) सभी राज्य सरकारें तथा संघ राज्य क्षेत्र (x) वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति मन्त्रालय, नई दिल्ली (xi) महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली (xii) आई० सी० एम० आर०, नई दिल्ली (xiii) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली (xiv) राष्ट्रीय पर्यावरणीय इंजीनियरी अनुसन्धान संस्थान, नागपुर (xv) अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा लोक स्वास्थ्य संस्थापन कलकत्ता।

2. आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

प्रकाश नारायण, उप-सचिव

wife of Hav. Janardhan Singh, from his adjacent quarter at Lancer Pipe, Jodhpur, where a dangerous fire had broken out. Lance Naik Jagdish Kumar rushed out of his quarter and rescued the lady trapped in the fire. In the process he sustained severe burns all over his body. Unmindful of his injuries he again entered the quarter to extinguish the fire in order to save the public and private property. He later succumbed on account of the severe burns in the Military Hospital at Jodhpur.

Lance Naik Jagdish Kumar displayed rare grit and determination and made the supreme sacrifice for a noble cause.

No. 2-Pres./76.—The President is pleased to approve the award of UTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK to the undermentioned persons :—

1. Shri Atmakuri Papa Rao,
Mandapaka village, Tanuku Taluk,
West Godavary District,
(Andhra Pradesh).

On 9th July, 1973, some women labourers of Pydipattu and Mandapaka villages of West Godavary District, hearing that the rate of agricultural work in the fields situated on the western side of Attili Canal had been enhanced, came in batches hurriedly to cross the canal by punt and about 46 women labourers boarded the ferry boat without heeding the protests and warnings given by the boat sarang, as the capacity of the boat was only eleven. Due to overloading, the ferry boat capsized on the eastern bund of the canal and consequently nine women were drowned and died. Shri Atmakuri Papa Rao, a ryot of Mandapaka village, with courage and determination and unmindful of risk to his life surged against the current of the canal and saved the lives of seven women.

Shri Atmakuri Papa Rao displayed exemplary courage, presence of mind and determination in saving the lives of seven women at the risk of his own.

2. Shri Muthanikat Kunhalikutty,
Driver, C.C. Transport Company Parcel Service,
Calicut-1. (Kerala).

In the early morning on 27th July, 1973, Shrimati P. Radhamani, (28 years), while bathing in the Bharathapuzha river, accidentally slipped and was drifted away in deep waters. As she did not know swimming she was struggling for her life when other women raised alarm. Shri Muthanikat Kunhalikutty lorry driver, who happened to pass by heard the cries of the women, stopped the lorry and rushed to the spot and without hesitating and caring for his life, he jumped into the river, caught hold of the drowning woman and with great difficulty brought her to the shore.

Unmindful of the danger to his life, Shri Muthanikatt Kumhalikutty displayed exemplary courage and promptitude in rescuing Shrimati P. Radhamani.

3. Shrimati Jasumati Jamnadas Raikundalia,
C/o Shri Purshottam Mulji,
Nathu Goa Building, 2nd Floor, 140, D'Souza Street,
Vedgadi, Bombay-3. (Maharashtra)

On 17th April 1974 at about 4.30 p.m. there was a sudden explosion resulting in fire which rapidly engulfed the entire building known as Mahajanwalla Mala situated at 13/15, Daryastan Street, Bombay-3. There was a big commotion in the entire building and it being evening time, most of the male folk were still out on duty and only ladies and children were present at home. Shrimati Jasumati Jamnadas Raikundalia, residing with her family in room numbers 26 and 27 on the third floor, displayed commendable patience and courage by collecting 4 children between the age group of 4 months and 3 years and bringing to a safer place wherefrom the firemen rescued them. She could not however save her own son aged 8 years, who died in this fire.

Shrimati Jasumati Jamnadas Raikundalia displayed great courage in saving the lives of four children.

4. Kumar Satyawani Chandrakant Kubal,
Kandalgaon (Kelambvadi), Tel. Malvan, District
Ratnagiri (Maharashtra).

On 19th May 1974, Sarvaswari Prafulla (18 years) and Narendra (16 years) went swimming in the creek. While swimming, Shri Narendra went deep inside and was caught up in the current. As he could not come back he started shouting for help. Hearing him, his brother, Shri Prafulla, rushed to help him but he could not save him. On the contrary, both of them were in danger, seeing which some boys standing near the creek, began to shout for help. On hearing the shouts, Kumar Satyawani Chandrakant Kubal (13 years) jumped into the creek and pulled them to the shore and saved them at the risk of his life.

Kumar Satyawani Chandrakant Kubal displayed exemplary courage and promptitude in saving two lives at the risk of his own.

5. 3350416 Lance Naik Sucha Singh. (Posthumous)
Village Bhulpur, P.O. Miani, P. S., Tandaerman,
Teh. Dasuya, District Hoshiarpur. (Punjab).

On 21st Feb. 1973, Lance Naik Sucha Singh while on annual leave at his village, was going to see his relatives in another village when he heard anguished cries of a child from a pond by the side of the road. Unmindful of the risk involved, he jumped into the pond but by the time he reached the spot, the child had already gone down into the water. His repeated attempts to extricate the child were of no avail, yet he did not lose heart. Again and again he went under the water to rescue the child until at last he himself got stuck in the weeds at the bottom of the pond and unable to come up, was drowned.

Lance Naik Sucha Singh displayed heroic determination and courage sacrificed his life to save the child.

6. Shri Parappallil Varkey John,
C/o Shri G. Kumar (Merchant),
Rangpo P.O., Rangpo. (Sikkim).

On 26th November, 1974, Shri Parappallil Varkey John while working as enumerator for traffic census at Teesta Bridge saw an old man being carried away by the fast current of the Teesta river. He immediately jumped into the river from the bridge which is at a height of about 100 feet from the normal river level, without even removing his clothes, plunged after the drowning man despite the strong current and brought him to the bank after a heroic struggle. He was completely exhausted by the struggle to bring the rescued man towards the bank. In the meanwhile a number of persons had gathered on the bank and they extended a helping hand to Shri John.

Shri Parappallil Varkey John displayed exceptional courage in saving a drowning man at grave danger to his own life.

7. Shri Yamat Modi,
Village Mikong,
P.O. Pasighat (Arunachal Pradesh).

On 26th October, 1974, Shri Tayeng Darang, Gam of Mikong village, went into the jungle with some other villagers including Shri Yamat Modi (19 years). While hunting, a tiger attacked the gam and he failed to disengage himself from the grip of the tiger. In a bid to rescue the Gam, half-breed trained volunteer Shri Yamat Modi who had a 12 bore gun fired from close range and the shots passed through the body of the tiger who still did not leave the Gam. Shri Modi then took a Dao and showing tremendous courage attacked the tiger with it. After being hit by the Dao a number of times the tiger collapsed.

Shri Yamat Modi displayed exemplary courage and promptitude in saving the life of Shri Taveng Darang.

No. 3-Pres./76.—The President is pleased to approve the award of JEEVAN RAKSHA PADAK to the undermentioned persons :—

1. Kumari Thressiamma Francis,
Kollamala House, Kuruvamoozhy P.O., Koratty,
Erumeli, Kottayam District. (Kerala).

On 29th March, 1972 a girl named Sheela (9 years) was suddenly caught by the current while bathing in Manimala river and drifted away into waters ten to twelve feet deep. Seeing the little girl struggling for her life, her elder sister Valsamma (12 years) leaped into the river and caught hold of Sheela but unfortunately both of them lost control and were on the verge of being drowned. At this moment Kumari Thressiamma Francis (15 years) who saw this dreadful sight, jumped into the river to rescue them but when the two girls caught hold of her all the three began to sink when Kumari Marykutty Mathew (Molykutty) came to their rescue and all of them were saved.

Although, for the reasons given above, her own efforts did not succeed, Kumari Thressiamma Francis displayed initiative, promptitude and conspicuous courage at the risk of her own life in trying to save the two girls from drowning.

2. Shrimati Arunabai Devendra Joshi,
C/o Shri Mohanji Kanji Joshi,
Room No. 12/13, Malbari House, 1st floor,
Vir Vitthal Das Chandan Street,
Bombay-3. (Maharashtra).

On 17th April, 1974, at about 4.30 p.m. there was a sudden explosion resulting in fire which rapidly engulfed the entire building known as Mahajanwalla Mala situated at 13/15, Daryastan Street, Bombay-3. There was a big commotion in the entire building and it being evening time, most of the male folk were still out on duty and only ladies and children were at home. Shrimati Arunabai Devendra Joshi residing with her family in room numbers 8 and 9 on the first floor displayed commendable patience and courage and collected four children between the age group of 2 years and 8 years of other residents and threw them down through a partially burnt window one by one into the tarpauline which was firmly held by the persons standing on the ground who safely picked them up.

Shrimati Arunabai Devendra Joshi acted with courage and promptitude and saved four lives.

3. Master Kuriakose Joseph,
Viliyilayakarayil, Kizhakkummuri,
Kekkothamangalam, Shertalla,
Alleppey District. (Kerala).

On 14th March, 1974, Master Muralidharan Nair (13 years) while drawing water from a well, fourteen feet deep, fell into it. Master Kuriakose Joseph who on hearing the hue and cry of onlookers, arrived at the scene and jumped into the well without caring for his life, carried Master Muralidharan Nair on his shoulder and hold on to the ring of the well till both of them were fished out by those on the bank.

Master Kuriakose Joseph performed this great deed of heroism with great courage and promptitude.

4. Shri Viswambharan,
S/o Shri Gopalan, Theruvathu House,
Koratty, Kanjirappally Taluk,
Kottayam District. (Kerala).

On 8th July, 1974, at 2.30 P.M. Shrimati Amina while washing her clothes on the bank of Manimala river accidentally slipped and fell into deep waters. The river was in spate and the current was strong. She was drifted into a whirlpool in the middle of the river and began to struggle for life as she did not know swimming. Shri Viswambharan, aged 18 years, who happened to go to the river side for bathing, saw her predicament and jumped into the river at the risk of his life and succeeded in rescuing her.

At about 10 A.M. on 16th October, 1974, the house of Shri K. P. Anthony at Koratty in Erumely village accidentally caught fire. While the people collected there stood aghast, Shri Viswambharan entered the burning house and rescued the wife and children of Shri Anthony who were inside. Then he climbed up the roof of the burning house courageously, prevented further spread of fire and practically put out the fire. Because of severe strain he was completely exhausted and fell to the ground unconscious.

Shri Viswambharan showed extraordinary courage and promptitude in rescuing the wife and children of Shri Anthony who as well as the house itself would have been burnt.

5. Shri Kizhakkekunnel Xavier,
S/o Shri Joseph, Kizhakkery Kunnel House,
Anikkampeyil, P.O. Thiruvambadi,
Koshikode. (Kerala).

On 15th September, 1974 at about 4 p.m. seven children were crossing the Odapeyil canal when it got flooded abruptly due to a sudden land-slide in the Anikkampeyil hill tract followed by consequent flow of water into the canal. Due to the sudden rush of water while the children were crossing the canal, the temporary wooden ladders provided on both sides of the concrete bridge over the canal were washed away. The children who had reached upto the concrete bridge were marooned and could not proceed further. On hearing their frantic cry for help, Shri Kizhakkekunnel Xavier who was working in his paddy field nearby rushed to the spot, and without caring about the risk to his own life, swam across the flooded waters and reached the concrete bridge and brought all of them except Sheela to safety. While he was taking Sheela across the flooded canal, she was forced out of his hand by the strong current and was washed away. In this process Shri Xavier was also washed away and fell into a well about half furlong away in an unconscious state from where he was fished out by others and was hospitalised for the injuries sustained by him.

Shri Kizhakkekunnel Xavier displayed conspicuous courage and promptitude in saving the lives of the trapped children.

6. Kumari Thekkethil-Mamuri Idiculla Sesamma,
Thekkethilmamuri House, Kidanagannur Muri,
Aranmula Village, Chengannur Taluk,
Kottayam District. (Kerala).

On 18th August 1974 Kumari Thekkethil-Mamuri Idiculla Sesamma, aged 15 years, along with three children was passing by the bank of a tank at the Mundakathu Mannupaddy field on their way to the Sunday School. On the way Kumari Jolly was frightened on seeing a snake, lost control and fell into the tank ten feet deep. The other two children, Mariamma and Jose also jumped into the tank to rescue Jolly but failed in their attempt and all of them were about to be drowned. On seeing the dreadful sight Kumari Sesamma instantly tied the lace of her skirt firmly on a nearby rubber tree on the bank, stretched her hand and caught hold of Jose's shirt and rescued him. Similarly Jolly and Mariamma were also rescued out from the tank.

Kumari Thekkethil-Mamuri Idiculla Sesamma displayed initiative courage and promptitude at the risk of her own life in saving the lives of three children.

7. Master Gopala Kurup Karmachandran,
Pulinthanathu Veedu, Thonnalloor,
Pandalam, Alleppey District. (Kerala).

On 2nd December, 1974 at about 8 O'clock in the morning Kumari Anitha (12 years), who was swimming in the Achancoil river along with two other girls, got exhausted and went

down in a 15 feet deep zone. On hearing the shouts of the two other girls, Master Gopala Kurup Karmachandran, aged 14 years, jumped into the river without caring for his life, swam to the deep water area, caught hold of the hair of Kumari Anitha and brought her to the shore.

Master Gopala Kurup Karmachandran showed initiative and conspicuous courage in saving the life of Kumari Anitha.

8. Shri Kashiram Vithu Patkar,
At and Post Bagmala, Taluka Deogad,
District Ratnagiri. (Maharashtra).

On 13th July, 1974, Shri Motiram Shantaram Rumde went for fishing with his son Dilip. Asking his son to wait on the bank of the river, he went to the other side of the river for fishing. But Dilip followed him, entered into the river and was going to be drowned when he shouted for help. On seeing this his father jumped into the river, but as he got into a fit and became unconscious, he could not help the child. In fact he himself was drowned and died.

Shri Kashiram Vithu Patkar, who was working in a nearby field, on hearing the shouts, jumped into the river, lifted Dilip and brought him to the shore. He again jumped into the river to save the life of Shri Motiram but he could not trace him in the deep river water.

Shri Kashiram Vithu Patkar displayed selfless courage and great presence of mind in rescuing Dilip.

9. Shri Laxman Narharrao Patil,
N.D.S.I. Teacher, Ashtra High School,
At and Post Ashtaakasar, Taluka Omerga,
District Osmanabad. (Maharashtra).

On 1st February, 1973, in the evening the house of Shri Masing, a poor labourer, caught fire. While all other children with their mother came out, a small baby of four months was left in the cradle. Shri Laxman Narharrao Patil rushed in with great determination and courage and brought the child safely out of the flames, and handed over the baby to the mother, while doing so his right hand got burnt.

Shri Laxman Narharrao Patil displayed exemplary courage and promptitude in saving the life of the baby at the risk of his own life.

10. Shrimati Fatlubai,
Wife of Shri Manika,
Village and P.O. Shilvani,
Via Hanegaon, Taluka Degloor,
District Nanded. (Maharashtra).

On 28th January, 1975, at about 11.00 hours a fire broke out at Shilwani Tanda wherein 41 huts were burnt down and the residents of these huts were rendered destitute. While the fire was on three children had been left in the huts, Shrimati Fatlubai, one of the residents of the huts, noticed this and she rushed to the spot which had been completely engulfed by fire. She rescued the children at the risk of her own life, and took them out to a safe place.

Shrimati Fatlubai displayed exemplary courage and promptitude in rescuing three children from fire.

11. Kumar Shabir Gafoor Fakir,
At & Post Karmala, Taluka Karmala,
District Sholapur. (Maharashtra).

On 20th March, 1975, at 4 P.M. some boys of the Anna-saheb Jagtap Vidyalaya were playing cricket when after a big hit the ball was lost and the boys started searching it around the ground. Kumar Narayan Dhale (12 years) noticed the ball on the step of the well near the ground and while going down to bring it, he slipped and rolled down into the water. Seeing this, his friend Kumar M. S. Doshi, aged 13 years, went down to help and bring him up. Kumar Doshi caught hold of the hand of Kumar Dhale but while trying to pull him out of the water could not control his balance and both of them fell into the water. Even though Kumar Doshi knew swimming, he could not swim as Kumar Dhale who did not know swimming and was completely frightened, had clasped him tightly and both of them started sinking. Seeing this, one of the boys Kumar Shabir Gafoor Fakir (11 years) jumped into the well and brought out of the water both Kumar Dhale and Kumar Doshi.

Kumar Shabir Gafoor Fakir showed great presence of mind, courage and promptitude in rescuing both the boys from drowning.

12. Shri Chhandamma,
Mizoram.

Shri Chhandamma, aged 11 years, a village boy, while roaming along the Mat Valley in thick forest accompanied by eight friends, saw a pythen. The boys approached it thinking it was dead but as soon as they came near it, the pythen, raised its head, caught Rinsiam, aged 9 years by the shoulder and put him under itself. The boy tried to stand up but failed and began to shout. By this time all his friends ran away but Chhandamma did not do so when he heard the cries of his friend for help. He immediately returned and knocked down the pythen, freed the friend's shoulder and asked him to follow him quickly but when he found that his friend was unable to move, he pulled him by the hand and hurried away.

Shri Chhandamma displayed exceptional courage and promptitude, at the risk of his own life, in rescuing his friend from the clutches of the pythen.

13. Shri Ghisu Lal Bhandari,
43, Housing Society,
South Extension, Part-I,
New Delhi.

On 14th May, 1974, at about 11.30 A.M. while going on his scooter to Madangir, Shri Ghisu Lal Bhandari saw a thatched hut on fire near the crossing of Chirag Delhi—opposite C-4, Panchsheel Enclave, New Delhi. Owing to a fast wind, the fire also spread towards five other adjoining huts. He immediately stopped his scooter when he heard the cries of some children from the burning huts. Without losing a second, he immediately went round the huts. Unmindful of the grave risk to his own life, he entered one of the huts where a child was crying for help. We picked up the child and managed to bring him out, in which process he received burns on his body and right arm. Thereafter he guided the passersby and labourers in pulling out the belongings from the huts and in pulling down their walls to check the fire and save their half-burnt belongings.

Shri Ghisu Lal Bhandari displayed great courage, exemplary public spirit and selfless service, at the risk of his own life, in saving the life of the child.

14. Master Somamaiq Mohammed Shaffi,
S/o Shri Maida, Bengalurampi,
Kadamat Island, Lakshadweep.

On 9th February, 1975, Master Somamaiq Mohammed Shaffi, aged 10 years, was playing with some of his friends on the sea-shore. A four year old child Ayshommabi stood at a distance watching the boys and was not aware of the waves lashing on the shore reaching very close to her. One huge wave washed away the soil beneath her feet and she fell into the water. The receding water swept her away and she could neither swim nor shout for help as she gulped in sea water. The children concentrating on their play did not notice her being washed away. After some time Master Somamaiq Mohammed Shaffi had a casual glance at a struggling object some distance away. At first he could not make out what it was. Finally believing it to be a child, he jumped into water and swam as fast as he could. The strong current had by that time carried her a hundred metres from the shore; with determination and courage he managed to reach her and caught hold of her feet. It was an uphill task for him to swim with one hand against the strong current and the other engaged in holding the child, yet he succeeded in bringing her ashore alive. Being exhausted, he asked his playmates to shout for help but they were scared and stood dumb-founded. He accordingly cried aloud hearing which some women rushed to the spot and the child was hospitalised.

Master Somamaiq Mohammed Shaffi displayed exceptional courage and presence of mind in rescuing a drowning child.

15. 3961919 Sepoy Jagat Ram,
Army Clerks Training School,
Aurangabad.

On 26th April, 1974, six houses of the village Bihari in Himachal Pradesh caught fire. Hearing shrieks and shouts from one of the burning houses, Sepoy Jagat Ram, who was

on leave at that time, rushed and jumped into the burning house. With great difficulty, he removed a badly burnt old woman trapped inside the house. He again jumped into the house and extricated her belongings. In doing so, he received burns and wounds. His personal example inspired other villagers to save the lives and property of other victims and also helped in extinguishing the fire completely.

Sepoy Jagat Ram displayed great courage, determination and devotion to duty of a very high order.

K. BALACHANDRAN, Secy.
to the President

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 22nd December 1975

RESOLUTION

No. Q/Hin/621/48/75.—In pursuance of the decision taken in the meeting of the Sub-Committee of the Kendriya Hindi Samiti in the Ministry of External Affairs, held under the Chairmanship of the Minister of External Affairs on August 14, 1975, an Award Committee has been constituted of the following members :—

Chairman

1. Shri Yashwantrao Balwantrao Chavan.

Members

2. Shri Sudhakar Pandey, M.P.
3. Shri Ganga Sharan Sinha.
4. Shri Anant Gopal Sheorey.
5. Shri Dharm Vir Bharti (Editor, Dharamyug, Bombay).
6. Shri R. P. Naik (Hindi Salahkar to the Govt. of India).
7. Shri J. S. Mehta [Additional Secy. (AD & AF)].
8. Shri H. L. Sharma (Director, Central Hindi Directorate).

Member-Secretary

9. Shri B. P. Sinha [OSD (Hindi)].

The Award Committee will advise the Sub-Committee on the selection of foreign Hindi-writers for the grant of the award. This Award Committee is appointed for one year from the date of its constitution. The Headquarters of the Award Committee will be at New Delhi.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the State Governments, Administrations of Union Territories, all the Ministries and Departments of the Govt. of India, President's Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues, New Delhi, the Lok Sabha Secretariat, the Rajya Sabha Secretariat and the Indian Missions abroad.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SURENDRA SINH ALIRAJPUR, Jt. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES & COOPERATION)

New Delhi, the 15th December 1975

RESOLUTION

No. R.17011/3/74-Coord.—In this Department's Resolution No. R.17011/3/74-P&C dated the 22nd March, 1975 reconstituting the Consultative Council on Cooperation, the following changes are made :—

Against Serial No. 3 for "Shri R. K. Trivedi" the name "Shri S. S. Puri, Additional Secretary incharge of the Department of Civil Supplies & Cooperation" may be substituted.

Against Sl. No. 18, for "Shri M. A. Quraishi", the words "Secretary/Additional Secretary incharge of the Department of Rural Development", may be substituted.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. DAS, Jt. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 29th December 1975

RESOLUTION

No. 7-5/75-Econ.Py.—The Government of India have decided to reconstitute the Panel of Farmers which was last reconstituted *vide* Resolution No. 7-10/72-Econ.Py dated 27-8-1973 & 19-11-1973 to advise the Agricultural Prices Commission.

The membership of the Panel will be as follows :—

S. No., State & Names

1. Andhra Pradesh—Shri Murthi Raju, B.Sc. (Agri.) Retired Dy. Director of Agriculture Kaliki via Bitragunta Post, Kandukur Taluk, Prakasam Distt.
2. Assam—Shri Soneswar Konwar, Maloibari.
3. Bihar—Shri Bindeshwari Prasad Singh, Village Khaspur, P.O. Sadisopur, Distt. Patna.
4. Gujarat—Shri Ishwarbhai Narottambhai, Dhamdod, Taluka Barodoli, Distt. Surat.
5. Haryana—Shri Ishwar Singh, M.L.A. Haryana Govt. Chandigarh.
6. Himachal Pradesh—Shri Kalyan Singh Paonta, Distt. Sirmur.
7. Jammu & Kashmir—Shri Ram Singh Charak, Satwari, (R. S. Pora Block Farm), Srinagar.
8. Karnataka—Shri B. L. Gowda, B.Sc. (Agri.) B. L. Hiriyur, Chitradurga Distt.
9. Kerala—Shri C. L. Soundarajan, B.Sc. (Agri.) Palghat.
10. Maharashtra—Dr. W. R. Korpe, Chairman, Distt. Central Coop. Bank, Distt. Akola.
11. Madhya Pradesh—Shri Kunj Bihari Lal Guru, B.A., LL.B., Damoh, Jabalpur.
12. Manipur—Shri K. H. Budhachandra Singh, Kongba Bazar, P.O. Kongba Bazar, P.S. Singjamei Bazar, Manipur.
13. Meghalaya—Shri Horen Jones, Shillong Co-op. Marketing Societies, Bara Bazar, Shillong.
14. Nagaland—Shri L. Lungalanag, Kohima, B.P.O. Chumukedima, P.O. Dimapur Sub-Division, Kohima Distt.
15. Orissa—Shri Jogesh Chandra Singh Deo, Madanpur-Rampur, Distt. Kalahandi.
16. Punjab—Captain Rattan Singh, M.L.A., Bangalow No. 44, Sector No. 2, Chandigarh.
17. Rajasthan—Shri Poonam Chand Vishnoi, B.A., LL.B., B I, M.L.A. Quarters, Jaipur.
18. Tamil Nadu—Shri Pon Chockalingam, M.L.A., 24 Pachaiyappas' School Street, Chidamparam.
19. Tripura—Shri Fariuddin Khan, Durgapur, P.O. Sonamura Tripura West.
20. U.P.—Shri Shiv Raj Singh, Bisauli, Distt. Badaun.
21. West Bengal—Shri Narul Islam, M.L.A., Village Jagannathpur, P.O. Mahanad, Distt. Hooghly.
22. Shri Raj Deo Singh, M.P., Lok Sabha.
23. Shri Y. Eswara Reddy, M.P., Lok Sabha.
24. Shri Triloki Singh, M.P., Rajya Sabha.
25. Shri Mohan Singh, M.P., Rajya Sabha.

The tenure of the reconstituted Panel will be for a period of one year with effect from 27th August, 1975.

The Panel will meet as often as necessary and consider and advise on matters referred to it by the Agricultural Prices Commission.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries and Departments of the Government of India, the States and Union Territories Administrations, Planning Commission, Prime Minister's Secretariat, President's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, all members of the Panel of Economists and all Attached and Subordinate Offices of the Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture).

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. A. AGHA, Addl. Secy.

MINISTRY OF ENERGY
(DEPARTMENT OF COAL)

New Delhi, the 30th December 1975

No. 55018/2/75-CAF/CPM.—Government have decided to extend the term of the Expert Committee constituted for going into the question of taking up ancillary activities by the different Coal Companies *vide* Ministry of Energy (Department of Coal) Resolution No. 55018/2/75-CAF dated the 17th July, 1975, upto the end of the March, 1976 to enable it to get information from different sources and authorities and submit its report to Government by that time.

S. K. BOSE, Jt. Secy.

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 30th December 1975

RESOLUTION

No. 1-77/75-UWC.—The term of the Committee on Urban Wastes which was constituted *vide* Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) Resolution No. Q13016/9/71-PHE dated the 6th May, 1972 was extended upto the end of November, 1975 *vide* Ministry of Works & Housing Resolution No. 13016/9/71-PHE(UWC) dated the 8th August, 1975.

It has now been decided to extend the term of the Committee upto the end of December, 1975.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to :

- (i) Lok Sabha Secretariat.
- (ii) Rajya Sabha Secretariat.
- (iii) Prime Minister's Secretariat.
- (iv) Cabinet Secretariat.
- (v) Planning Commission.
- (vi) Private and Military Secretary to the President.
- (vii) Comptroller and Auditor General of India.
- (viii) All Ministries and the Departments of Govt. of India.
- (ix) All State Governments and Union Territories.
- (x) The Pay and Accounts Officer, Ministry of Supply, New Delhi.
- (xi) A.G.C.R., New Delhi.
- (xii) I.C.M.R., New Delhi.
- (xiii) Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi.
- (xiv) National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur.
- (xv) All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

PRAKASH NARAIN, Dy. Secy.